Title: Need to make Yamuna river pollution free-laid.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): महोदय, राजधानी दिल्ली में इस वर्ष कॉमनवेल्थ गेम्स होने हैं, जिस कारण इस वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के आने का अनुमान है । लेकिन, राजधानी दिल्ली से गुजरने वाली पौराणिक नदी यमुना की स्थिति अत्यन्त खराब है । यमुना की सफाइ पर आज तक अरबों रूपया व्यय हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद भी यमुना प्रदूषित बनी हुई है । यमुना में 70 प्रतिशत प्रदूषण देश की राजधानी से हो रहा है, जबकि बाकी जिन शहरों से यमुना गुजरती है, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही यमुना मैली होती है । स्थिति यह है कि राजधानी दिल्ली में यमुना वजीराबाद से लेकर दक्षिण में ओखला बैराज तक 22 कि0मी0 के रेंज में प्रदूषित होकर नाले में परिवर्तित हो चुकी है । यमुना में 17 बड़े नाले गिरते हैं । इनमें सबसे ज्यादा गंदगी नजफगढ़ व शाहदरा ड्रेन से होती है ।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यमुना में लगातार प्रदूषण बढ़ने के कारण इस समय यमुना में बायॉलजिकल ऑक्सिजन डिमांड (बी ओ डी) 41 मिलीग्राम प्रति लीटर है जबकि मानकों के मुताबिक बी0ओ0डी0 केवल 3 मिलीग्राम प्रति लीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए । इसी तरह यमुना में प्रदूषण फैलाने वाले कुल कॉलिफोर्म की संख्या भी 2.4 करोड़ प्रति 100 मिलीलीटर है । जबकि मानकों के अनुसार कुल कॉलिफार्म की संख्या 100 मिलीलीटर पानी में 5 हजार से कम ही रहनी चाहिए । इन्हीं के कारण यमुना में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है और ऑक्सिजन की मात्रा कम होती जा रही है ।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह राजधानी दिल्ली में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स को दृष्टिगत रखते हुए दिल्ली से गुजरने वाली यमुना नदी को प्रदूषण रहित बनाए जाने के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाए ।